By – हेरोदेस ने युहोन्ना को जेल में बंद कर ददया मत्ती ४:१२;
मरकुस १:१४; लूका ३:१९-२० | 1

– Save This Page as a PDF–

हेरोदेस ने युहोन्ना को जेल में बंद कर दिया मत्ती ४:१२; मरकुस १:१४; लूका ३:१९-२०, ४:१४

खोदाई: युहोन्ना ने हेरोदेस एंटिपास को क्यों डांटा? यह योचनान के बारे में क्या दर्शाता है? बपतिस्मा देने वाले की कैद ने येशुआ के लिए क्या दर्शाया? यीशु गलील क्यों चले गये? सुसमाचार वास्तव में क्या है? गलील के लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी? गलील जाने के लिए प्रभु सामरिया से क्यों गए?

विचार करें: आपने अपने जीवन में कब बुराई का सामना किया है? क्या इसमें आपको कुछ खर्च करना पड़ा? यदि आपको आस्तिक होने के कारण गिरफ्तार किया गया, तो क्या दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत होंगे? आप किस कारण से जेल जायेंगे? आप किस कारण से मरेंगे?

बुराई का सामना करना हमेशा खतरनाक होता है, और उच्च स्थानों पर युहोन्ना की नैतिक दुष्टता की निडर निंदा के कारण उसका सिर कलम कर दिया गया। इसी तरह, जर्मन पादरी डिट्रिच बोन्होफ़र ने ईसाई धर्म के इतिहास में सबसे साहसी निर्णयों में से एक लिया जब उन्होंने १९३९ में न्यूयॉर्क शहर की सुरक्षा छोड़कर जर्मनी लौटने का फैसला किया जहां उन्होंने एडोल्फ हिटलर और नाज़ियों का सामना किया। निस्वार्थता के इस अविश्वसनीय कार्य के लिए उन्हें १९४५ में एक एकाग्रता शिविर में फाँसी पर लटका दिया गया।

बोन्होफ़र, २०b सदी की महान शख्सियतों में से एक, द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के साठ से अधिक वर्षों के बाद अधिकांश अमेरिकियों के लिए एक परिचित नाम नहीं हो सकता है। लेकिन डायट्रिच बोन्होफ़र एक ऐसा व्यक्ति था, जो युहोन्ना बप्तिस्त्मा देनेबाला की तरह था, जिसने ईश्वर की इच्छा पूरी करने के लिए दृढ़ संकल्प किया था, चाहे व्यक्तिगत कीमत कुछ भी हो।

बोन्होफ़र ने एक बार कहा था, “बुराई के सामने चुप्पी अपने आप में बुराई है। ईश्वर हमें निर्दोष नहीं ठहराएगा। न बोलना ही बोलना है। न करना ही कार्य करना है।”

जैसे ही हिटलर और नाज़ियों ने जर्मनी पर कब्ज़ा कर लिया और यूरोप के यहूदियों को ख़त्म करने का प्रयास किया, बोन्होफ़र सहित असंतुष्टों के एक छोटे समूह ने तीसरे रैह को नीचे लाने के लिए काम किया। बोन्होफ़र, एक पादरी और लेखक, अपने विश्वास पर अपनी क्लासिक पुस्तकों के लिए प्रसिद्ध थे।

हिटलर का विरोध करने के लिए अपने मूल जर्मनी लौटने से पहले बोनहोफ़र का जीवन हार्लेम में एबिसिनियन बैपटिस्ट चर्च में रहने के दौरान बदल गया था। उन्होंने यह रुख अपनाया कि ईसाई यहूदियों के लिए खड़े होने के लिए बाध्य हैं।

जर्मनी लौटने पर वह तटस्थ स्विट्जरलैंड की सुरक्षा में यहूदियों की तस्करी के प्रयास में शामिल हो गया। लेकिन उन्होंने हिटलर के खिलाफ प्रसिद्ध वाल्कीरी साजिश में शामिल होकर अपने विश्वासों को भी क्रियान्वित किया।

हिटलर के खिलाफ कार्रवाई के लिए डिट्रिच बोन्होफ़र के आह्वान में निम्नलिखित प्रसिद्ध उद्धरण शामिल था, “अगर मैं एक पागल आदमी को निर्दोष दर्शकों के समूह में कार चलाते हुए देखता हूं, तो मैं एक आस्तिक के रूप में ऐसा नहीं कर सकता, बस तबाही का इंतजार कर सकता हूं और फिर घायलों को सांत्वना दे सकता हूं और दफना सकता हूं मृत। मुझे ड्राइवर के हाथ से स्टीयरिंग व्हील छीनने की कोशिश करनी चाहिए।”

हिटलर के सत्ता में आने के बाद जर्मन इवेंजेलिकल चर्च की शालीनता से निराश होकर, बोन्होफ़र कन्फ़ेसिंग चर्च के संस्थापक बन गए, जिसने यहूदियों के प्रति देश की बढ़ती शत्रुता का विरोध किया। गांधी की अहिंसा की वकालत से प्रेरित होकर, शांतिवादी बोन्होफ़र ने हिटलर को सही प्रतिक्रिया देने के लिए संघर्ष किया। उनके कन्फ़ेसिंग चर्च का नाज़ी विरोध तब तक बढ़ता गया जब तक कि पादरी को सार्वजनिक रूप से बोलने या उनके लेखन को प्रकाशित करने से मना नहीं कर दिया गया।

२० जुलाई, १९४४ को हिटलर की हत्या का प्रयास बोनहोफ़र और अन्य लोगों से जुड़ा था। उन्हें नाज़ियों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और मित्र राष्ट्रों द्वारा जर्मनी को आज़ाद करने से कुछ ही दिन पहले ९ अप्रैल, १९४५ को फ़्लोसेनबर्ग एकाग्रता शिविर में फाँसी दे दी गई।

परन्तु जब यूहन्ना ने अपने भाई की पत्नी हेरोदियास से विवाह करने और उसके द्वारा किए गए अन्य सभी बुरे कामों के कारण, टेट्रार्क, हेरोदेस एंटिपस को डांटा (लूका ३:१९)। हेरोदेस एंटिपास हेरोदेस महान का पुत्र था, और उसने अपने भाई की पत्नी से विवाह तब किया था जब उसका भाई जीवित था। टोरा ने उनकी शादी को एक अनाचारपूर्ण रिश्ता माना। हेरोदेस इस पर क्रोधित हो गया था और उसने युहोन्ना को जेल में डालने की मांग की थी। हेरोदेस ने उसकी इच्छा पूरी की।

हेरोदेस एंटिपास ने इसे अपने अन्य सभी पापों
में जोड़ा: उसने योचानान को जेल में बंद कर दिया (लूका ३:२०)। जोसीफस (प्राचीन वस्तुएं १८.५.२ [१८.११९]) में कहा गया है कि युहोन्ना को मृत सागर के पूर्वी किनारे पर माचेरस के किले में कैद किया गया था। लुका ईश्वर के दूत को अस्वीकार करने और उसे सताने से बड़ी कोई बुराई नहीं सोच सकता था। यूहन्ना ३:२२-२३ और ४:१-२ के अनुसार, यीशु और युहोन्ना बप्तिस्मा देनेवाला की सेवकाई कुछ समय के लिए ओवरलैप हो गई। हालाँकि, लुका ने अपना व्यवस्थित विवरण प्रस्तुत करते हुए हेराल्ड की कहानी को पूरा करने के लिए इस बिंदु पर युहोन्ना के कारावास के बारे में बताया, ताकि वह अब प्रभु की कहानी पर ध्यान केंद्रित कर सके।

यीशु ने सुना कि यूहन्ना को जेल में डाल दिया गया है (मत्ती ४:१२a; मरकुस १:१४a)। हेरोदेस स्पष्ट रूप से अपने परिवार और प्रशासन के बारे में बप्तिस्मा देनेवाला की भविष्यवाणियों से थक गया था, इसलिए उसने अपने प्रकाश को चमकने से रोकने की उम्मीद में युहोन्ना को कैद कर लिया था (मैथ्यू १४:१-११)। अग्रदूत की कैद ने येशुआ की अपनी पीड़ा का पूर्वाभास दिया क्योंकि अग्रदूत के साथ जो होगा वह राजा के साथ भी होगा।

उसके बाद यीशु परमेश्वर की खुशखबरी का प्रचार करते हुए गलील चले गए (मैथ्यू ४:१२b; मार्क १:१४b)। प्रभु योचनन की तुलना में फरीसियों से अधिक नहीं डरते थे, लेकिन वह समय से पहले टकराव से बचना चाहते थे। जब समय आया, महान महासभा का सामना करते समय पीड़ित सेवक घबराएगा नहीं (Lg – महान महासभा देखें)। मसीहा को भी हेरोदेस से कोई डर नहीं था। यदि वह हेरोदेस से संभावित परेशानी से बचना चाहता, तो वह गलील नहीं जाता क्योंकि वह भी हेरोदेस के नियंत्रण में था। परमेश्वर का पुत्र हमेशा अपने पिता की दिव्य समय सारिणी पर काम करता है। उसके मन और हृदय में मानो एक दिव्य घड़ी चल रही थी जो उसके द्वारा कही और की गई हर बात को नियंत्रित करती थी। रब्बी शाऊल ने पुष्टि की कि जब निर्धारित समय पूरा हो गया, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा (गलातियों ४:४a)। मसीहा ने अपने समय के अभी तक न आने की बात कही (यूहन्ना ७:३०, ८:२०), और फिर उसके आने की बात कही (मत्ती २६:४५; यूहन्ना १२:२३, १७:१)।

सुसमाचार या सुभ संबाद/खबर मानव जाति के लिए अब तक आई सबसे अच्छी खबर है, क्योंकि इसमें यीशु मसीह में क्षमा, पुनर्स्थापना और नए जीवन का संदेश शामिल है।

सुसमाचार शब्द सैक्सन शब्द गॉड-स्पेल से आया है, गॉड शब्द का अर्थ अच्छा है, और स्पेल का अर्थ कहानी या परी कथा है। प्रत्येक मामले में गॉस्पेल शब्द ग्रीक शब्द यूएगेलियन का अनुवाद है। क्रिया यूवंगेलिमाई है। यूएगेलियन शब्द का इस्तेमाल पहली सदी में हमारे शब्द सुसमाचार की तरह ही आमतौर पर किया जाता था। “क्या आज आपके पास मेरे लिए कोई सुसमाचार है?” एक सामान्य प्रश्न रहा होगा. आज हमारे शब्द गॉस्पेल का एक निश्चित धार्मिक अनुमान है। प्रथम शताब्दी की सामान्य बातचीत में इसका ऐसा कोई अर्थ नहीं था। हालाँकि, इसे सीज़र के पंथ में ले लिया गया जहाँ इसने धार्मिक महत्व प्राप्त कर लिया। सीज़र का पंथ रोमन साम्राज्य का राजकीय धर्म था, जिसमें सम्राट को परमेश्वर के रूप में पूजा जाता था। जब सम्राट के जन्मदिन की घोषणा की गई, या नए सीज़र के प्रवेश की घोषणा की गई, तो किसी भी घटना का विवरण यूएगेलियन शब्द द्वारा निर्दिष्ट किया गया था।

नतीजतन, जब बाइबल लेखक मुक्ति की खुशखबरी की घोषणा कर रहे थे, तो उन्होंने यूएगेलियन शब्द का इस्तेमाल किया, जिसका मतलब पहली सदी के पाठकों के लिए खुशखबरी था। राज्य का शुभ समाचार है (मैथ्यू ४:२३) जो उनके पहले आगमन पर घोषित किया गया था और इज़राइल द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था, उनके दूसरे आगमन पर घोषित किया जाएगा और इज़राइल द्वारा स्वीकार किया जाएगा (प्रकाशितवाक्य Ev पर मेरी टिप्पणी देखें – दूसरे के लिए आधार) यीशु मसीह का आगमन)। यीशु मसीह का शुभ समाचार है (रोमियों ५:१-८), कि वह क्रूस पर मरे और इस प्रकार उन पापियों के उद्धारकर्ता बन गए जिन्होंने उनमें अपना विश्वास/भरोसा/विश्वास रखा। ईश्वर की कृपा का शुभ समाचार भी है (प्रेरितों २०:२४), जो येशुआ मसीहा से है।

क्रिया यूवंगेलिमाई को समान रूप से सुसमाचार का प्रचार करने के लिए अनुवादित किया गया है, सिवाय इसके कि जहां इसका अनुवाद लाया गया हो या घोषित किया गया हो। कई बार इसका अनुवाद उपदेश शब्द से किया जाता है, लेकिन चूंकि ग्रीक शब्द केरुसो है जिसका अर्थ घोषणा करना के अर्थ में उपदेश देना है, इसलिए अनुवाद का विस्तार किया जाना चाहिए ताकि शुभ समाचार के विचार को इसमें शामिल किया जा सके (लूका ३:१८; अधिनियम ५: ४२; प्रथम कुरिन्थियों १५:१-२; गलातियों १:१५-१६; इफिसियों २:१७; इब्रानियों २:१७ और प्रकाशितवाक्य १४:६)। इंजीलवादी शब्द ग्रीक शब्द यूएगेलिस्ट्स से आया है, जो शुभ समाचार लाने वाला है।

यीशु आत्मा की शक्ति में गलील लौट आए, और उनके बारे में खबर पूरे देश में फैल गई (लूका ४:१४)। गलील प्रभु के सार्वजनिक मंत्रालय का प्राथमिक फोकस होगा। यह मसीह के कार्यों का सारांश कथन है। उनकी प्रतिष्ठा पूरे देहात में फैल गई क्योंकि सेबकाई एक कोने में नहीं किया गया था (प्रेरितों के काम २६:२६)। यह वास्तव में उल्लेखनीय है कि घमंडी और घमंडी कैसे सोचते हैं कि उनके पास अपने दुष्ट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्वतंत्र शासन है, जबकि इस मामले की सच्चाई यह है कि परमेश्वर को पता था कि दुनिया की स्थापना से पहले क्या होने वाला था।

परन्तु यीशु सामरिया से होते हुए गलील की ओर चले गए, क्योंकि उन्हें एक कुएँ के पास एक स्त्री के साथ दिव्य नियुक्ति मिली थी।